प्रश्न-पेपर ७५ ता. ११।३।८६

अध्याय १ पूर्ण, अध्याय-२ पाद १-२ मार्क्स १००

प्र. १ नीचेना पदवाला सूत्रो लखवो। कोई पण १० उदाहरण साथे १० मार्क्स

(१) अन्तेन (२) ङि (३) अस (४) आति
(५) अदि (६) यूष (७) आदे: (८) अन्
(९) ऊत (१०) उ (११) उहे

प्र. २ नीचेना भावदर्शावनारा सूत्रोना मात्र अर्थ लखवो। गमे ते - १० १० मार्क्स

(१) स्व संज्ञक दर्शक
(२) वाक्य ,, ,,
(३) ऋ नो ॠ करनार
(४) पुम् ना म नो र् करनार
(५) स नो त्स करनार
(६) ददध्यत्र प्रयोग सिद्ध करनार
(७) दास् आदेशनो विकल्प दर्शावनार
(८) सुवल्गि प्रयोग दर्शक
(९) जास्विशेष्यं सूत्र
(१०) पाकाय व्रजाति प्रयोग दर्शक
(११) गते गम्ये. सूत्र

प्र. ३ नीचेनी खाली जगा पूरो। गमे ते १० १० मार्क्स

(१) होतृ + ऋकार ______ ______
(२) 'औयत' प्रयोग कयो ---- तेनो अर्थ ---- थाय छे।
(३) उद् + स्था छ. कर्माणि ______ उ.पु. द्विवचन ______
(४) अन्तर् शब्द ______ ______ अर्थमां सर्वनाम थाय छे।
(५) हे सरयु ______ सूत्रथी सिद्ध थयेल छे।
(६) काष्टताङ्क्षी नो विग्रह ______
(७) अतिचत्व: ,, ,, ______
(८) बहुपुषाणि ,, ,, ______
(९) अस्वस्थम् आ पदनो अर्थ ______ थाय छे.
(१०) प्रियकौ नो विग्रह शुं?
(११) चौरस्य उदनीनरत् प्रयोगनो अर्थ ______ (उपान्त्य मां ओ नथी माटे थाय ज नहिं.)

प्र. ४ नीचेना प्रयोगोनी साधनिका करी अर्थ लखवो। कोई पण - ६ १५ मार्क्स

(१) प्राग् (२) अदध्यच्य: (३) पर्यायिध्वम्
(४) उज्जङ्गन्म: (५) अदद्र्यूञ्च: (६) प्रियत्ये (७) व्याह्नि

प्र. ५ नीचेना न्याय लखवी तेनी पूर्ण माहिति लखवो। गमे ते २ ५ मार्क्स

(१) उभयस्थान. (२) अनेकवर्ण: (३) क्विबन्ता.

प्र. ६ नीचेनाना मागया प्रमाणे रूपो लखवो। गमे ते - ६ १५ मार्क्स

(१) गृह् धातु व. कृदन्त नपु. तथा स्त्री. ७।४ विभक्ति, पु. १, २
(२) शकृत् - शब्द एक व., बहु व.

(3) दोषन् - १-३-५-७ (४) मित्रद्रुह् - १-५-६-७

(५) प्रियत्यत् - स्त्री·पु· १-३-५-७ (६) श्वश्रू - १-३-६-७-८

(७) क्रोष्टु - एकव·-ब·व·, स्त्री· २-५-८

प्र·७ नीचेना वाक्योनुं ससन्धि संस्कृत करो। गमे ते - ३ ५ मार्क्स

(१) चोरनुं धननुं हरण करवुं अतिआश्चर्यकारक हतु। (२-२-८)

(२) राजानी पासे धन मांगता (याचितृ) याचको पर्वत ऊपर जनारा छे। (सूत्र ४५-७४ आश्रयी)

(३) आ माणस वडे दिवसमां ६ वार सोनाना वासणमां पाणी सारी रीते पीवा योग्य छे।
(स्वलर्थ नो प्रयोग करवो) (सूत्र ७६-२० आश्रयी)

(४) अमदावादथी ५० गाऊ गये छते अमारा वडे मुंबई नगरी प्राप्त करवा योग्य छे।

प्र·८ नीचेना प्रश्नोना जवाब आपो। गमे ते १० ३० मार्क्स

(१) द्विषो वाऽतृशः सूत्र शा माटे ते जणावी कृदन्त विषयमां षष्ठी विभक्तिना निषेधक सूत्रो लखवो।

(२) विना ते - सूत्रमां चकार शा माटे ते जणावी 'फाल्गुन्यौ कन्ये' इत्यत्र ब·व· केम न थयुं?

(३) प्रत्ययथी व्याप्त सूत्रो लखवी 'अज्ञाने ज्ञः' सूत्र शा माटे? ते दृष्टान्त आपी समजावो।

(४) प्रतिदान - दिक्शब्द - अतिकुत्सन, उपयोग, परिक्रयण - आ शब्दोना अर्थ बहारना दृष्टान्त आपी समजावो।

(५) दरेक कारकोने ते-ते विभक्ति करनार मूख्य सूत्रो लखवी अधिकरणना भेदना नाम मात्र लखवो।

(६) 'ह-क्रोर्नवा' सूत्र शा माटे ते जणावी अन् ना अ नो लोप क्यां न थाय ते बहारना दृष्टान्त साथे समजावो।

(७) असत् एटले शुं? स्यादिविधि - परविधि एटले शुं? क्यांथी क्यां सुधी गणाय? आदि ड् नो द् क्यारे थाय ते दृष्टान्त आपी समजावो।

(८) भ्वादेर्दा· सूत्र न होत तो घोक्ष्यति ना स्थाने कयुं अशुद्ध रूप थात ते जणावी ऋत्विज· सूत्र शा माटे?

(९) प्रियतिसृ - प्रियात्रि कुलम् आ बे प्रयोग समजावी 'शसोऽता·' सूत्रमां चकार शा माटे?

(१०) ङ्णो· थी चालतो नवा नो अधिकार केटला सूत्र सुधी चाल्यो अने आगल केवी रीते अटकाव्यो।

(११) प्रोर्ण्णुनाव प्रयोगमां 'अनु' समजावीने पाद-३ तथा ६ नो अन्तिम श्लोक सार्थ लखवो।

(१२) अनीदादे: पंक्ति बहारना दृष्टान्त साथे समजावी अमुमुच्चे प्रयोग समजावो।

जवाब - प्र·१ (१) २|२|१०७ (२) २|२|९० (३) २|२|४२ (४) २|२|३२ (५) २|२|५ (६) २|१|१०१
(७) २|१|१२ (८) १|४|६३ (९) १|४|२१ (१०) १|२|४१ (११) १|२|१४